STUDY NOTES BASED ON FIRST BELL 2. 0 ONLINE CLASSES

STD: 10 HINDI EPISODE ; 32 DATE: 24-11-2021

पाठ का नाम: गुठली तो पराई है |

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें |

1) ' गुठली तो पराई है ' किस विधा की रचना है ?

उत्तर : कहानी |

2) गुठली तो पराई है नामक कहानी ' का लेखक कौन है ?

उत्तर : कनक शशि |

3) कनक शशि के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर : आधुनिक हिंदी के प्रसिद्ध लेखिका है कनक शशि । अधिकतर बच्चों के लिए लिखती है । आप एक मशहूर चित्रकार भी है ।

4) गुठली तो पराई है नामक कहानी का प्रमुख पात्र कौन है ?

उत्तर : गुठली नाम की चौदह साल की एक लड़की ।

5) बड़ी बुआ की नसीहतें क्या क्या है ?

उत्तर : ऐसा मत करो, ऐसे पट पट मत बोलो, ऐसे धमधम मत चलो आदि है | बुआ की है नसीहतें ।

6) एक दिन गुठली ने बडी बुआ से गलती से क्या पूछ लिया ?

उत्तर : गुठली ने पूछा कि क्यों ? अर्थात् क्यों मैं ऐसा न करूँ, क्यों मैं वैसा न करूँ , क्यों मैं पट पट न बोलू, क्यों मैं धम धम न चलूँ आदि ।

7) " बेवकूफ यह घर तो पराया है " । बुआ गुठली से ऐसा क्यों कहती है ?

उत्तर : बुआ गुठली से कहती है कि यह घर गुठली का घर नहीं है । ससुराल ही गुठली का अपना घर है । लेकिन गुठली यह नहीं मानती है । तब बुआ समझाना चाहती है कि लड़कियों के लिए पति का घर यानी ससुराल ही अपना घर है । परंतु

गुठली अपने घर को पराया मानने के लिए तैयार नहीं थी।

8) लगा जैसे पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई हो ।गुटली को ऐसा क्यों लगता है ?

उत्तर : बुआ ने गुठली से कहा कि गुठली का अपना घर उसका नहीं पराया है। उस समय वह अपनी माँ की ओर देखती है।लेकिन माँ बुआ की बातों से हामी भरती है ।माँ भी उसे पराई मानती है।यह सच्चाई जानकर गुठली को लगा कि अपने पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गई है।

9) बुआ की बातों से गुठली बिलकुल निराश थी।गुठली के उस दिन की डायरी तैयार करें ।

दिन:. . . . . तारीख:. . . . . .

.

आज भी बडी बुआ का उपदेश मिला | क्या कहना।आज बताती है कि लह लड़कियाँ पराए घर की संपत्ति है ।ससुराल ही लड़कियों का असली घर है।मेरी माँ भी बुआ के साथ है।इसलिए मुझे बड़ा दुख हुआ।साथ ही क्रोध भी. . . . !

10) सही मिलान करें

बडी बुआ हमेशा	कि लड़कियाँ अमानत हैं।
माँ ने गुठली को	जी भर के जीना है।
बुआ कहती है	गले से लगाया	
बचपन के दिनों को	नसीहतें देती है।

उत्तर:

बडी बुआ हमेशा	नसीहतें देती है।
माँ ने गुठली को	गले से लगाया |
बुआ कहती है	कि लड़कियाँ अमानत हैं।
बचपन के दिनों को	जी भर के जीना है।

नवीन शब्दार्थ

बुआ - അമ്മായി

बड़ी बुआ - വല്യമ്മായി

खास - പ്രത്യേകിച്ച്

नसीहतें - ഉപദേശങ്ങൾ

गलती से पूछना -അബദ്ധത്തിൽ ചോദിക്കുക

पट पट बोलना - പടപടാന്ന് സംസാരിക്കുക

धम धम चलना - ശബ്ദമുണ്ടാക്കി നടക്കുക, തുള്ളിച്ചാടി നടക്കുക

बेवकूफ - വിഡ്ഢിയായ

अमानत - संपत्ति, സൂക്ഷിപ്പ് മുതൽ

ससुर - ഭർത്താവിന്റെ അച്ചൻ

फूफाजी - बुआ का पति

ठुनक के बोलना - ചിണുങ്ങിപ്പറയുക

अकल – ബുദ്ധി

आम की कैरी - കണ്ണിമാങ്ങ

क्यारियाँ - തടങ്ങൾ

गले लगाना - ആലിംഗനം ചെയ്യുക

परेशान होना - വിഷമിക്കുക

चेतावनी - മുന്നറിയിപ്പ്

****

*